लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक व्यक्ति

आरव शर्मा की संतान और परिवार रिपोर्ट

उदित गुरु के स्वामित्व वाला धनु पंचम भाव, संतान के भाव में राहु, और सप्तांश जिसमें मंगल उच्च के हैं: आधुनिक दृष्टि वाले स्नेही, रक्षक माता-पिता।

जन्म	स्थान	लग्न	राशि · नक्षत्र
15 अगस्त 1991, 06:40	Jaipur, Rajasthan, India	सिंह	तुला · चित्रा 3

इस रिपोर्ट में

01 संतान का पाँचवाँ भाव

02 संतान के कारक गुरु

03 सप्तांश (D7)

04 माता-पिता के रूप में आप

05 परिवार के काल

06 पारंपरिक उपाय

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

01 संतान का पाँचवाँ भाव

आरव, पाँचवाँ भाव, पुत्र भाव, संतान, रचनात्मकता और आपकी आगे जाने वाली विरासत का भाव है। यह रिपोर्ट इसे कोमलता और ईमानदारी से पढ़ती है। यह प्रवृत्तियों और विषयों का वर्णन करती है, और किसी के बारे में यह भविष्यवाणी कभी नहीं करती कि संतान होगी या नहीं, कब या कैसी।

पाँचवें भाव में धनु

आपका पाँचवाँ भाव धनु है, ज्ञान, आस्था और उदारता की अग्नि राशि, जिसका सर्वाष्टकवर्ग अंक 27 है, 28 की पारंपरिक प्रबल रेखा से ठीक नीचे। इसके स्वामी गुरु हैं, जो ज्योतिष में संतान के स्वाभाविक कारक भी हैं, और वे आपके अपने लग्न में बैठे हैं। जब पंचमेश पहले भाव में आते हैं, तो संतान और परिवार आपकी अपनी पहचान से गहराई से जुड़े होते हैं।

आपके पाँचवें भाव में राहु पूर्वाषाढ़ा चरण 4 में बैठे हैं। यहाँ राहु परंपरा में जीवन के इस क्षेत्र में कुछ अपरंपरागत लाते हैं: स्वतंत्र सोच वाली या अनोखी राह पर चलने वाली संतान, पालन-पोषण का आधुनिक तरीका, और कभी-कभी ऐसा पारिवारिक जीवन जो किसी साँचे के बजाय अपना रूप लेता है।

> ✦ पंचमेश गुरु, संतान के स्वाभाविक कारक, आपके लग्न में हैं: परिवार आपकी पहचान का हिस्सा है।

02 संतान के कारक गुरु

आपके गुरु

आपके गुरु सिंह में 0°08′ पर आपके पहले भाव में, मघा चरण 1 में, मित्र की राशि में, और अस्त हैं, यानी सूर्य के पास। वे आपके पाँचवें भाव के और आठवें भाव के भी स्वामी हैं। लग्न में गुरु स्वाभाविक रूप से सिखाने और मार्ग दिखाने वाली उपस्थिति देते हैं; आप ऐसे माता-पिता होने की संभावना रखते हैं जो समझाते हैं, प्रोत्साहित करते हैं और चाहते हैं कि बच्चा चीज़ों के पीछे के कारण समझे।

अस्त होना परंपरा में इसका अर्थ है कि ग्रह के गुण मौजूद हैं पर उन्हें सचेत बात रखने की कला चाहिए। आपके लिए यह परिवार के साथ समय को जान-बूझकर पहली ज़रूरत बनाने का संकेत है, क्योंकि आपकी बाकी व्यस्त सिंह कुंडली उस समय के लिए होड़ करेगी।

03 सप्तांश (D7)

आपका सप्तांश

सप्तांश (D7) संतान और वंश की वर्ग कुंडली है। आपका सप्तांश लग्न कन्या है, देखभाल, व्यवस्था और बारीकी पर ध्यान की पृथ्वी राशि: पारिवारिक जीवन के प्रति व्यावहारिक, ध्यान रखने वाला नज़रिया।

सप्तांश में मंगल मकर में बैठे हैं, जो उनकी उच्च राशि और सप्तांश लग्न से पाँचवीं राशि है। D7 के पाँचवें भाव में उच्च के मंगल परंपरा में संतान के लिए प्रबल और ऊर्जावान संकेत हैं, जिसे अक्सर साहस और उत्साह से जोड़ा जाता है। सप्तांश में गुरु सिंह में बैठे हैं, और शुक्र, बुध और चंद्रमा तुला में एकत्र हैं, जो पारिवारिक संबंधों में गर्मजोशी और सामंजस्य जोड़ते हैं।

> ✦ आपके सप्तांश में मंगल पाँचवें भाव में उच्च के हैं: संतान के लिए प्रबल, ऊर्जावान संकेत।

04 माता-पिता के रूप में आप

स्नेही, रक्षक और निष्पक्ष

आपका सिंह लग्न आपको गर्मजोशी भरा, उदार और रक्षक बनाता है; आप अपने परिवार पर गर्व करने और उनके लिए सर्वश्रेष्ठ चाहने की संभावना रखते हैं। तुला में आपका चंद्रमा घर में निष्पक्षता और कलह से अरुचि लाता है, और आपके लग्न में बैठे मंगल के स्वामित्व वाला आपका चौथा भाव, वृश्चिक, गहराई और प्रबल निष्ठा वाले घर का वर्णन करता है।

ध्यान देने वाला संतुलन ऊँचे मानकों और धैर्य के बीच है। सिंह बहुत अपेक्षा रखता है, और लग्न में आपके मंगल जल्दी प्रतिक्रिया देते हैं। आपका तुला का चंद्रमा और सिखाने वाले गुरु स्वाभाविक संतुलन हैं: अधिक समझाएँ, कम प्रतिक्रिया दें, और प्रशंसा को आगे चलने दें।

05 परिवार के काल

कोई कुंडली संतान की तिथि नहीं देती, और यह रिपोर्ट कभी नहीं देगी। परंपरा उन कालों का वर्णन करती है जिन्हें वह पारिवारिक जीवन के अनुकूल मानती है।

दशाएँ और गोचर

आप 26 अगस्त 2027 तक गुरु महादशा में हैं। गुरु आपके पाँचवें भाव के स्वामी और संतान के कारक हैं, इसलिए परंपरा इस पूरे काल को परिवार के लिए अनुकूल मानती है। आपकी शनि महादशा में फ़रवरी 2044 से अगस्त 2046 तक की गुरु अंतर्दशा उसी ग्रह का अगला काल है।

31 अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 तक और जून से नवंबर 2027 तक सिंह, आपके लग्न, पर गुरु का गोचर परंपरा में आशीर्वाद और बड़ों का साथ लाता है, और लग्न से उसकी दृष्टि संतान के आपके पाँचवें भाव तक पहुँचती है।

06 पारंपरिक उपाय

गुरु के लिए

गुरुवार गुरु का दिन है। परंपरा में संतान पर आशीर्वाद की कामना करने वाले परिवार संतान गोपाल मंत्र या विष्णु सहस्रनाम का पाठ करते हैं, मंदिर में पीले फूल या मिठाई अर्पित करते हैं, और शिक्षा या ज़रूरतमंद बच्चों के लिए दान देते हैं। शिक्षकों और बड़ों का सम्मान स्वयं गुरु का शास्त्रीय अभ्यास है।

ये आस्था और कृतज्ञता की अभिव्यक्तियाँ हैं, चिकित्सीय उपाय नहीं। सेहत या प्रजनन से जुड़ी किसी भी बात के लिए कृपया किसी योग्य डॉक्टर से बात करें।

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

हर स्थिति की गणना iAstroGuru Engine ने की है, लाहिड़ी अयनांश, संपूर्ण राशि भाव, विंशोत्तरी दशा और सप्तांश (D7) के साथ।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है; यहाँ कुछ भी संतान या उसके समय की भविष्यवाणी नहीं करता, और कुछ भी चिकित्सीय सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।
इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।

Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)
Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:33 IST
Document ID IAG-XRFJ-ECZD-41Z2